

**SIONIAS**  
RING INNOVATION



The infographic features a central title 'चक्रीय अर्थव्यवस्था की आवश्यकता' (Importance of Circular Economy) in a large, bold font. Above the title, a circular logo contains a stylized building icon. The background is divided into two main sections: an upper section showing a city skyline with construction cranes and a road with cars, and a lower section showing industrial buildings, a factory chimney emitting smoke, and a truck carrying shipping containers. A large speech bubble on the right side contains the main text, while a smaller speech bubble on the left provides a quote from Mahatma Gandhi.

विस्तारित करना है जो पहले से ही भविष्य के लिए डिजाइन करके बनाया गया है।

# चक्रीय अर्थव्यवस्था की आवश्यकता

**उपभोक्तावाद में वृद्धि:** बढ़ती घरेलू आय के साथ युग्मित मजबूत आर्थिक वृद्धि के परिणामस्वरूप उपभोक्ता व्यंय में बढ़ोतरी हुई है। 2025 तक इसके 4 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है। उपभोक्तावाद में वृद्धि ने बढ़ती हुई व्यवहय शक्ति और बड़े पैमाने पर किफायती उत्पादन (economies of scale) के कारण परिसंपत्तियों के निरंतर प्रतिस्थापन को उत्पन्न किया है।

**संसाधनों की भारी मांग:**  
शहरीकरण के कारण घरेलू संसाधनों के निष्कर्षण में वृद्धि से भूमि, वन, वायु और जल जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था की संवृद्धि की वर्तमान दर पर भारत की संसाधन आवश्यकता 2030 तक लगभग 15 बिलियन टन होने का अनुमान है। इसलिए, आर्थिक वृद्धि को संसाधनों से पृथक् करने की तत्काल आवश्यकता है। इसे चक्रीय अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के माध्यम से साकार किया जा सकता है।

An illustration of an industrial port scene. In the foreground, there's a large yellow storage tank with blue stripes. Behind it is a tall orange and red striped chimney emitting grey smoke. To the right, a cargo ship is docked at a pier with several shipping containers stacked on it. A tall black construction crane stands behind the pier. In the background, a city skyline with many buildings is visible under a sky with white clouds.

The infographic is titled "चक्रीय अर्थव्यवस्था के लाभ" (Benefits of Circular Economy). It features five main sections, each with an icon and a circular arrow indicating a cycle:

- Greenhouse Gas Emissions Reduction:** Shows a factory emitting smoke, with a circular arrow around a leaf icon.
- Circular Resource Management:** Shows industrial facilities and a circular arrow around a recycling symbol.
- Water Conservation:** Shows industrial structures and a circular arrow around a water drop icon.
- Economic Growth:** Shows a bar chart with an upward arrow and a circular arrow around a GDP icon.
- Job Creation:** Shows people working at a desk and a circular arrow around a jobs icon.

Each section contains a brief description of the benefit and its connection to the circular economy.

**है। निम्न लिखित के माध्यम से नई नौकरियों का सृजन होगा**

- पुनर्चक्रिया और मरम्मत के क्षेत्र में रोजगार वृद्धि,
- नवाचार प्रक्रियाओं और नवीन व्यापार मॉडल के कारण नए

**अस्थिरता में कमी और सुरक्षित आपूर्ति:** अधिक पुनर्चक्रियता आगतों का उपयोग किया जायेगा, जिससे कंपनियों को कच्चे माल की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिल सकेगी।

**चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन में बाधाएं**

**आर्थिक बाधाएं:**

सामाजिक और पर्यावरणीय बाह्यताओं का कीमत निर्धारण के समय ध्यान नहीं रखा जाता है।

कच्चे माल की कीमतें अस्थिर होती हैं और कम कीमतों पर वैकल्पिक, बेहतर गुणवत्तायुक्त द्वितीयक संसाधन प्रतिस्पर्धी नहीं होते हैं;

इन मॉडलों को विकसित करना कठिन होता है, क्योंकि अधिकांश निवेशक अभी भी अर्थव्यवस्था के रैखिक दृष्टिकोण के आधार पर कार्य करते हैं।

तकनीकी या ICT ज्ञान रखने वाले योग्य पेशेवरों की कमी।

### संस्थागत बाधाएँ:

अनेक कंपनियों के लक्ष्य अभी भी अल्पकालिक मूल्य सृजन पर केंद्रित हैं, जबकि चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल दीर्घकालिक मूल्य सृजन का मॉडल है।

GDP सूचकांक में सामाजिक और पर्यावरणीय बाह्यताओं पर विचार नहीं किया जाता है, जिससे इन दोनों क्षेत्रों में मूल्य सृजन हतोत्साहित होता है।

**आगे कि राह**

देश में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक कानून की आवश्यकता है। कई देशों ने संधारणीय विकास के लिए नए प्रतिमान के रूप में चक्रीयता की केंद्रीयता को मान्यता प्रदान की है।

विनिर्माण चरण में "शून्य दोष, शून्य प्रभाव" (Zero Effect, Zero Defect: ZED) जैसी नीतियों, उपभोग चरण में राष्ट्रीय विद्युत गतिशीलता मिशन योजना और निपटान चरण में विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन नियमों को यदि उचित रूप से प्रयुक्त किया जाए, तो ये भारतीय अर्थव्यवस्था के ताने-बाने में चक्रीय अर्थव्यवस्था को एकीकृत करने हेतु आदर्श नीति हो सकते हैं।

चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में रूपान्तरण सुनिश्चित करना नियामकों, नीति निर्माताओं, कंपनियों सहित मुख्य हितधारकों के बीच व्यापक सहकार्यता प्रयासों की मांग करता है। साथ ही वित्तीय संस्थानों को भी चक्रीय व्यापार मॉडल अपनाने के लिए कार्य करने की आवश्यकता होगी।

ग्रीन बॉण्ड, म्युनिसिपल बॉण्ड, SDG-अलाइन्ड बॉण्ड जैसे अभिनव वित्तपोषण साधनों के माध्यम से इन नए अवसरों को साकार करने के लिए पर्याप्त वित्तपोषण की आवश्यकता होगी।

**VISION IAS**  
INSPIRING INNOVATION